।। ॐ नमः शिवाय।।

।। श्री गुरुवे नमः ।।

देशभर में प्रशंसित, प्रमाणित एवं ख्यातिप्राप्त

**मई 2026 से मार्च माह 2027**

# माँ गंगे शिव शँकर

## तीर्थ यात्रा (रजि०) ऋषिकेश

**संस्थापक – स्व0 लाला जगदीश प्रसाद अग्रवाल**

## प्रबन्धक–दीपक अग्रवाल

## रेल रिजर्वेशन एवं हवाई जहाज द्वारा

- जगन्नाथपुरी धाम
- ज्योतिर्लिंग यात्रा
- भूटान/नेपाल
- डीलक्स बस द्वारा
- द्वारिकापुरी धाम
- पूर्वोत्तर भारत
- उत्तराखण्ड चारधाम
- दक्षिण भारत
- अन्य यात्राऐं

यात्रा बुकिंग टिकिट प्राप्ति एवं अन्य समस्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें या लिखें।


**हैड ऑफिस ऋषिकेश**

**माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा (रजि0)**

455, सुभाष नगर (बनखण्डी), ऋषिकेश

जिला-देहरादून (उत्तराखण्ड)-249201

Mob : 09412050468, 09411385668

Ph. : 0135-2436668

**दिल्ली ऑफिस**

**माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा (रजि0)**

**सुभाष चन्द शर्मा**

फ्लैट नं0 304, वसुधा अपार्टमेंट

सेक्टर-9, रोहिणी, दिल्ली-85

मो:- 9717311714, 9213758770


website : www.maagangetirthyatra.com I Whatsapp no. ( ) 9412050468

# हमारे बारे में...

माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा कम्पनी भारत की तीर्थयात्रा कराने वाली सबसे लोकप्रिय एवं प्रतिष्ठित यात्रा कम्पनी है जो उत्तराखण्ड चारधाम बस द्वारा व नेपाल/भूटान, पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण भारत, द्वारिकापुरी धाम, जगन्नाथपुरी धाम, ज्योतिर्लिंग यात्रा रेल रिजर्वेशन द्वारा कराने का सर्वाधिक अनुभव रखती है एवं हमारी कम्पनी द्वारा हजारों यात्री यात्रा कर चुके हैं तथा वे सभी पूर्ण रूप से सन्तुष्ट हैं। हमारी यात्रा कम्पनी के सचालक श्री दीपक अग्रवाल कई वर्षों का अनुभव रखते हैं। माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा कम्पनी का रजिस्टर्ड कार्यालय/हेड ऑफिस ऋषिकेश स्थित है।

**उद्देश्य :** हमारा उद्देश्य तीर्थयात्रा से धन कमाना नहीं है वरन् यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा, तीर्थों के दर्शन व धार्मिक स्थानों, पर्यटन स्थलों के दर्शन लाभ कराना है व उन बुजुर्गों को सेवा-भाव से उन धार्मिक यात्राओं को कराना है जिनको वे अकेले नहीं कर सकते हैं। हमारा प्रयास सदैव यही होता है कि उनको घर जैसी व्यवस्था व माहौल उपलब्ध कराएं।

**अनुरोधः-** यात्रियों से अनुरोध है कि हमारी कम्पनी का नाम माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा कम्पनी ऋषिकेश है। हमारी कम्पनी की सफलता को देखते हुए अन्य बहुत से अनुभवहीन लोगों के द्वारा माँ गंगे के स्थान पर अन्य शब्द लगाकर व भारी छूट, हवाई यात्रा फ्री का प्रलोभन देकर बुकिंग कर ली जाती हैं। बाद में यात्रियों को असुविधा होती है या उनकी यात्रा ही नहीं जाती है। इसलिये आपसे अनुरोध है कि आप उनसे दस साल पुराने यात्रियों की सूची मांगे व उनके पुराने यात्रियों से सम्पर्क करके सुविधा व्यवस्था की जानकारी लें तभी आपको वास्तविकता ज्ञात होगी।

चूंकि हम यात्रियों को पूरी-पूरी सुविधा प्रदान करते हैं, सन्तुष्ट रखते हैं अतः हमारा खर्चा अन्य यात्रा कम्पनियों से अधिक रहता है। यात्रियों से निवेदन है कि कृपया किसी के बहाकावे में ना आऐं व हमारे यहां यात्रा कर चुके पुराने यात्रियों से सुविधा, व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करें एवं पूर्ण सन्तुष्ट होने पर ही सीट बुक करायें। हमारे द्वारा बनाई गई यात्रा कार्यक्रम की बुकिंग 12 महीने चालू रहती है। अतः आपसे अनुरोध है कि समय से बुकिंग कराऐं जिससे आपकी वर्थ सुरक्षित हो सके।

धन्यवाद!

**दीपक अग्रवाल**

फर्म का नाम- माँ गंगे शिव शंकर तीर्थ यात्रा कं.
IDBI BANK, Branch-Rishikesh
Ac No. : 1070102000006941
IFSC Code - IBKL 0001070
google Pay ( G ) & Phone Pe ( पे ) - 9412050468

# थ्री ए.सी. रेल रिजर्वेशन / हवाई जहाज एवं डीलक्स बस द्वारा

## सुविधाएँ

<u>भोजन व्यवस्थाः-</u>यात्रियों के लिए यात्रा काल में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन में एक सब्जी, दाल, चावल, रोटी का पूरा प्रबन्ध होगा। शाम को चाय दी जायेगी। रोटी एवं चावल में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी, पूडी व नाश्ते में रिफाइण्ड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनाया जायेगा। समय की उपलब्धता के आधार पर यात्रियों को पूडी/खिचडी, चटनी, अचार, पापड़ भी भोजन के साथ दिया जायेगा। तथा यात्रा में समयानुसार लन्च पैकेट भी दिया जाएगा। प्याज व लहसुन का प्रयोग वर्जित होगा। भोजन के साथ एक लीटर सादा मिनरल वाटर बोतल दोपहर एवं सायं को यात्रियों को दी जायेगी। ट्रेन सफर के दौरान यात्री को भोजन रेल पैन्ट्री द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

<u>शयन व्यवस्था :</u> सभी यात्रियों को शयन सुविधा हेतु होटल/गेस्ट हाउस में डबल बैड रूम की व्यवस्था रहेगी। पहाडी क्षेत्र जैसे नेपाल, भूटान, दार्जिलिंग, गंगटोक, शिलांग में नॉन ए.सी. रुम रहेंगे। यदि कोई यात्री अकेला यात्री होगा तो उसको अलग से रुम दिया जाएगा जिसका चार्ज अतिरिक्त देना होगा।

<u>आवश्यक सामानः-</u> यात्रियों को अपने साथ पहनने के मौसमानुसार कपड़े, एक गिलास, एक चम्मच व आवश्यक दवा (यदि आप लेते हो तो), पानी की बोतल, असली सरकारी पहचान पत्र एवं एक पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आवें। थाली एवं कटोरी की व्यवस्था कम्पनी की तरफ से होगी।

<u>सामान सुरक्षाः</u> यात्रियों को अपने सामान की स्वयं सुरक्षा करनी होगी। कम्पनी के कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी हर समय मदद की जाएगी। फिर भी किसी कारणवश किसी यात्री का सामान इधर उधर होता है तो उस परिस्थिति में कम्पनी की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

<u>साईड सीन व्यवस्था :</u> ए.सी. बसों से भ्रमण कराया जायेगा। साईड सीन हेतु कम्पनी का आदमी मार्ग दर्शन करता रहेगा।

यात्री चाहें तो अतिरिक्त किराया देके रेल की जगह हवाईजहाज का टिकट बुक करवा सकते हैं।

**नियम–**

1. ये यात्राऐं रिजर्वेशन द्वारा करवाई जायेगी अतः यात्री अपने साथ कम से कम सामान (केवल जरूरी सामान) लायें। यात्री को सामान स्वयं को उठाना होगा।
2. यात्रियों के साथ में ट्यूर मैंनेजर रहेगा वह समय–समय पर मार्गदर्शन करता रहेगा। यात्रियों को समय पर पाबन्द रहना होगा एवं ट्यूर मैनेजर के मार्गदर्शन में चलना होगा।
3. रेलवे नियम अनुसार रिजर्वेशन 60 दिन पहले खुल जाता है। अतः यात्रियों से अनुरोध है कि अपनी सीट दो माह पूर्व बुकिंग कराये ताकि कन्फर्म रिजेर्वेशन मिल सके।
4. रेलवे नियम अनुसार एवं होटलों में परिचय पत्र होना अति आवश्यक है इसलिए यात्रियों से अनुरोध है कि ओरिजनल परिचय पत्र साथ में लेकर आवे।
5. यदि यात्री अपनी सीट बुक कराकर किसी कारणवश कैन्सिल करवाता है तो उस स्थिति में 15 दिन पूर्व तक 50 प्रतिशत धनराशि वापस की जायेगी। यदि 15 दिन के अन्दर यात्री किसी कारणवश सीट कैन्सिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि /50 प्रतिशत धनराशि वापस नहीं की जायेगी।
6. मन्दिर दर्शन, एन्ट्री फीस, रोपवे, पूजा अभिषेक एवं स्पेशल दर्शन का चार्ज यात्री को स्वयं को देना होगा।
7. पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण होटल/ गेस्ट हाउस में कमरों की व्यवस्था पहली/ दूसरी/ तीसरी मंजिल की होती हैं अतः यात्री प्रबन्धक का सहयोग करें।
8. चैक इन व चैक आउट होटल/ गेस्ट हाऊस के नियमानुसार ही रहेगा।

# राजस्थान दर्शन एवं तीर्थयात्रा

(2X2 पुश बैक बसों द्वारा)

**यात्रा प्रस्थान : 12 नवम्बर 2026**

**यात्रा समय : 14 दिवस**

| दिन | दर्शनीय स्थल |
|---|---|
| पहला दिन | दिल्ली से शुभ प्रस्थान (रात्रि विश्राम– जयपुर) |
| दूसरा दिन | मेंहदीपुर बालाजी दर्शन। (रात्रि विश्राम जयपुर) |
| तीसरा दिन | जयपुर–जलमहल, आमेर का किला, गोविन्द देव मंदिर, गणेश मंदिर, विडला मंदिर। (रात्रि विश्राम जयपुर।) |
| चौथा दिन | खाटू श्यामजी दर्शन, झुनझूनू–रानी सती दादी दर्शन। (रात्रि विश्राम–सालासर जी।) |
| पांचवा दिन | सालासर बालाजी दर्शन, करनी माता मंदिर दर्शन। (रात्रि विश्राम- बीकानेर।) |
| छठा दिन | बीकानेर-जूनागढ किला, गंगा म्यूजियम। (रात्रि विश्राम-जैसलमेर।) |
| सातवां दिन | जैसलमेर-सोनार किला, नाथमल की हवेली, तनोट देवी दर्शन। (रात्रि विश्राम-जैसलमेर।) |
| आठवां दिन | जैसलमेर से जोधपुर के लिए प्रस्थान (रात्रि विश्राम-जोधपुर।) |
| नवां दिन | मैरानगढ किला, उमेद भवन, मंडोर गार्डन, कैलान झील। (रात्रि विश्राम-आबू रोड।) |
| दसवां दिन | माउंट आबू प्राकृतिक सौन्दर्य दर्शन, रघुनाथ मंदिर, दिलवाडा मन्दिर, सनसेट प्वाइंट आदि। (रात्रि विश्राम-सुविधानुसार।) |
| ग्यारहवां दिन | हल्दीघाटी, एकलिंगनाथ दर्शन, श्रीनाथजी दर्शन। (रात्रि विश्राम- उदयपुर।) |
| बारहवां दिन | उदयपुर सिटि पैलेस, लेक-पैलेस, जगदीश मंदिर, फतेह सागर। (रात्रि विश्राम-उदयपुर।) |
| तेरहवां दिन | चित्तौड़ के लिये प्रस्थान, सावलियाजी दर्शन, चित्तौड़गढ़ किला। (रात्रि विश्राम-पुष्करजी।) |
| चौदहवां दिन | पुष्कर सरोवर स्नान, ब्रहमा मंदिर दर्शन। दोपहर भोजन के पश्चात् यात्रा समापन। व स्वधाम प्रस्थान। |

यात्रा किराया : चाय, नाश्ता, भोजन, होटल /गेस्ट हाउस, डीलक्स बस सहित द्वितीय श्रेणी के नॉन ए.सी. थ्री टीयर शयनयान रेल रिजर्वेशन का किराया प्रति व्यक्ति **31990/-** रूपया होगा। तथा यात्रा की सदस्यता हेतु अग्रिम धनराशि **5000/-** रूपया प्रति यात्री जमा कराना होगा। **50** प्रतिशत धनराशि यात्रा प्रारम्भ से **10** दिन पूर्व एवं शेष धनराशि गाड़ी में बैठने के बाद में ली जायेगी।

शयन सुविधा : रात्रि विश्राम के लिए होटल/गेस्ट हाउस में डबल बैड रुम का प्रबन्ध किया जाएगा, जिसमें अटैच लैट बाथ होंगे।

**नोटः दिल्ली से जयपुर यात्रियों को नॉन ए.सी. ट्रेन द्वारा लाया जाएगा व यात्रा समापन के पश्चात नॉन ए.सी. ट्रेन द्वारा ही वापस भेजा जाएगा।**

## यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है:

1. यदि कोई यात्री अपनी सीट बुक कराकर किसी भी कारणवश सीट कैंसिल करवाना चाहे तो यात्रा की रवानगी की तारीख को छोड़कर उससे 15 दिन पूर्व तक लिखित सूचना देने पर सीट कैंसिल कर दी जायेगी और 50% धनराशि वापिस कर दी जायेगी। रवानगी की तारीख को छोड़कर उससे 15 दिन पूर्व तक लिखित सूचना प्राप्त नहीं होने पर अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। व बुकिंग यदि यात्रा दिनांक को छोड़कर अन्तिम 15 दिनों में ही की गई है व वापस सीट केन्सिल यात्री करवाता है तो अग्रिम धनराशि/ 50% धनराशि वापिस नही की जायेगी। यदि यात्रा दिनांक को छोड़कर 5 दिन पूर्व तक यात्री द्वारा यात्रा निरस्त की जाती है तो उस स्थिति में यात्री से यात्रा का सम्पूर्ण किराया लेने का कानूनी रूप से अधिकार संस्था को होगा। इसमें किसी भी प्रकार की रियायत नहीं होगी।
2. रेलवे विभाग द्वारा स्पेशल यात्रा के वास्ते जो भी नियम बनाये गये हैं (सामान के वास्ते व रेलवे टाईम टेबिल के वास्ते) उनका पूर्ण रूप से यात्रियों को पालन करना अनिवार्य होगा। संस्था को पूर्ण अधिकार होगा वह तीर्थों को सुविधानुसार आगे-पीछे कर सकता है। प्रत्येक विवाद का न्यायक्षेत्र केवल ऋषिकेश (देहरादून) होगा। उपभोक्ता समिति के अन्तर्गत आने वाले विवाद का भी न्यायक्षेत्र ऋषिकेश (देहरादून) ही होगा।
3. यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
4. संक्रामक रोगी, मादक द्रव्यों का सेवन करने वाले व झगड़ालू/भडकाऊ प्रवृत्ति के यात्रियों को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार प्रबंधक के पास होगा।
5. प्रबन्धक यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएँ देने का प्रयास करेंगे फिर भी "परदेश कलेश नरेशं कूं" की कहावत के अनुसार यात्रा में असुविधा होगा स्वभाविक है। उस समय तपस्या की भावना से उसे सहन करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वह अपने स्वभाव में परिवर्तन न लायें और अन्य यात्री व स्टाफ के साथ मयार्दित व्यवहार करें एवं व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।
6. दक्षिण भारत वाली यात्रा में तिरुपति बालाजी के दर्शन के वास्ते यात्री ऑनलाईन टिकट स्वयं बुक करें। हमारे द्वारा फ्री दर्शन की व्यवस्था रहेगी जोकि पूर्णतः उपलब्धता के आधार पर ही निर्भर होगी।
7. मन्दिर दर्शन, एन्ट्री फीस, पूजा अभिषेक एवं स्पेशल दर्शन का चार्ज यात्री को स्वयं को देना होगा।
8. ट्रेन के रद्द होने या कोई कनेक्शन छूटने की स्थिति में यात्रियों को समयानुसार उपलब्ध साधन नॉन ए.सी. बस अथवा रेल के माध्यम से आगे ले जाया जाएगा। उपरोक्त परिस्थति में प्रबन्धक का सहयोग करें।
9. यात्रा कार्यक्रम रेल/बस के कनेक्शन व समय के आधार पर निर्भर होता है। अतः रेल /बस के देर से पहुँचने /बस खराब होने या साप्ताहिक अवकाश/बन्द/रैली /भीड़ आदि के कारण से किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर प्रबंधक/संस्था की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।